दुनिया के मज़दूरो एक हो! एकता, संघर्ष, नवनिर्माण!

कारख़ाना मज़दूर यूनियन

कार्यालय पता : मज़दूर पुस्तकालय, राजीव गाँधी कालोनी, फेस 4,
फोकल प्वाइण्ट, लुधियाना। फोन नं- 96461 50249

प्रेस विज्ञप्ति

गुण्डागर्दी और धक्केशाहियों के खिलाफ़ मज़दूरों ने आवाज बुलन्द की

17 नवम्बर, लुधियाना। मज़दूरों के साथ लगातार बढ़ती जा रही गुण्डागर्दी के मसले पर आज ढण्डारी के प्रेम नगर में विशाल मज़दूर सभा का आयोजन किया गया। कारखाना मज़दूर यूनियन की ओर से आयोजित इस मज़दूर सभा में ढण्डारी और लुधियाना के अन्य इलाकों से बड़ी संख्या में मज़दूर शामिल हुए। सभा में गुण्डागर्दी के विरोध में एकजुट होकर तीखा संघर्ष छेड़ने का आह्वान किया गया। मज़दूरों ने पुलिस प्रशासन के खिलाफ आवाज़ बुलन्द करते हुए माँग की कि मज़दूरों की सुरक्षा के लिए पुख्ता कदम उठाए जाएँ।

गौरतलब है कि 12 नवम्बर के दिन नीची मंगली में एक मज़दूर को उसके मालिक ने तीन महीने से रोका हुआ वेतन माँगने पर पीट-पीट कर मार डाला था। **इस पहले 8 नवम्बर** को एक मालिक और उसके साथ आए दो गुण्डों ने ढण्डारी के प्रेम नगर इलाके के बेहड़ों में घुसकर स्त्रियों, बच्चों, बजुर्गों सहित कई मज़दूरों के साथ बुरी तरह से मारपीट की और दो मज़दूरों को अगवा करके कारखाने में बन्दी बनाया। एक मज़दूर किसी तरह से वहाँ से भागने में कामयाब हुआ और पुलिस व कुछ मज़दूरों के साथ मिलकर दूसरे मज़दूर (मन्ना)की जान बचाई। इस मामले में दो दिन तक पुलिस ने जब अस्पताल में दाखिल मुन्ना का ब्यान तक दर्ज नहीं किया और मालिक के खिलाफ़ कोई कार्रवाई न की तो कारखाना मज़दूर यूनियन के नेतृत्व में सैंकड़ों मज़दूरों ने पुलिस चौंकी का घेराव किया। मज़दूरों का आक्रोश देखते हुए पुलिस ने कार्रवाई शुरु की। ब्यान लिए गए, एफ.आई.आर. दर्ज हुई, और कारखाना मालिक पंकज की गिरफ्तारी हुई। **दिवाली वाले दिन भी इस इलाके में दो मज़दूर की गुण्डों द्वारा किए गए हमले में जान चली गई है।** ये दोनों मज़दूर जान बचाने के लिए बेहड़े से कूदे तो बिजली की तारों पर गिर पड़े और करण्ट लगने से उनकी जान चली गई।

उपरोक्त घटनाएँ पिछले दिनों में मज़दूरों के साथ हो रही इस धक्कशाही और गुण्डागर्दी में वृद्धि की सूचक हैं। कारखाना मालिक श्रम कानूनों की सरेआम धज्जियाँ उड़ा रहे हैं। मज़दूरों को आठ घण्टे का

कार्यदिवस, न्यूनतम वेतन, पहचान पत्र, हाजिरी कार्ड, हादसों से सुरक्षा के प्रबन्ध आदि कानूनी अधिकार देने के लिए तैयार नहीं हैं। कारखानों में मज़दूरों के साथ मार पीट–गालीगलौज आम बात है। काम करवा कर पैसा न देना एक साधारण बात है। श्रम विभाग और पुलिस से मज़दूरों को कोई इंसाफ नहीं मिलता। चुनावी पार्टियों से जुड़ीं यूनियनें और नेता भी पूँजीपतियों का ही साथ देते हैं। पुलिस तो हमेशा से ही मज़दूरों के प्रताड़ित करती आई है।

मज़दूर सभा में **कारखाना मज़दूर यूनियन के संयोजक लखविन्दर ने कहा कि** इन परिस्थितियों का सबसे बड़ा कारण मज़दूरों में अपने अधिकारों और सुरक्षा के लिए जागृति और एकता का अभाव है। जब तक मज़दूरों में जागृति नहीं आती और विशाल एकता नहीं बनती तब तक मज़दूरों का शोषण नहीं रुक सकता। **जनता के लिए डॉकटर संस्था के संयोजक डॉ. अमृतपाल** ने कहा कि न तो कारखानों में और न ही रिहायशी जगहों की परिस्थितियाँ मज़दूरों के स्वास्थ्य के लिए भी बेहद प्रतिकूल हैं। कारखानों में काम को दौरान हादसे तो होते ही हैं बल्कि वहाँ विभिन्न प्रकार के प्रदूषण के कारण मज़दूरों को गम्भीर बीमारियों से जूझना पड़ता है। रिहायशी जगहों पर भी गन्दगी के कारण मज़दूरों को बीमारियों का सामना करना पड़ता। इसके सीधे तौर पर जिम्मेवार सरकार, प्रशासन और कारखाना मालिक हैं। डॉ. अमृतपाल ने भी जोर देकर कहा कि मज़दूरों में जागृति और एकता ही मज़दूरों की सभी समस्याओं का हल कर सकती है। **टेक्सटाइल–हौज़री कामगार यूनियन के अध्यक्ष राजविन्दर** ने कहा कि पिछले तीन वर्षों से लुधियाना के टेक्सटाइल मज़दूर अपने अधिकारों के लिए एकजुट होकर संघर्ष लड़ रहे हैं। हालाँकि अभी टेक्सटाइल मज़दूरों का बहुत बड़ा हिस्सा एकजुट नहीं हुआ है लेकिन सीमित एकता से भी पिछले वर्षों में वेतन में पचास फीसदी वृद्धि, इ.एस.आई. व बोनस की सुविधा लागू करवाने और मारीपट बन्द करवाने में कामयाबी मिली है। उन्होंने कहा कि अगर लुधियाना के सभी उद्योगों के मज़दूरों की विशाल एकता कायम हो तभी पूँजीपतियों और सरकार पर मज़दूरों के अधिकार लागू करने के लिए दबाव बनाया जा सकता है।

जारीकता,

गुरजीत,

सेक्रेट्री, कारखाना मज़दूर यूनियन, पंजाब।

फोन नं–7508681081